डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

श्रावण–भाद्रपद शक 1943, अगस्त 2022 खण्ड 34 अंक 08 "बलस्य मूलं विज्ञानम्"

ISSN: 0971-4405

पायलट रहित स्वचालित प्रौद्योगिकी प्रदर्शक विमान ने पहली सफल उड़ान भरी

प्रकाशन का 34वां वर्ष

मुख्य संपादक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य सह-संपादक: अलका बंसल
प्रबंध संपादक: अजय कुमार
संपादकीय सहायक: धर्म वीर

डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ. सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
		श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
		श्रीमती एम. आर. भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
		श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
		डॉ. जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
		डॉ. प्रसन्ना एस बख्शी रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
		श्री वेंकटश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
		डॉ. अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ. प्रिंस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशला (टीबीआरएल)
चेन्नई	:	श्रीमती एस जयसुधा, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
		श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम)
		डॉ. दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
		डॉ. डॉली बंसल, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
		श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
		श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
		सुश्री नुपूर श्रोत्रिय, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
		डॉ. रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ. ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ. अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
		श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
		डॉ. मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
		श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई)
जगदलपुर	:	डॉ. गौरव अग्निहोत्री, एस एफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री रवींद्र कुमार, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ. डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	डॉ. गोपा बी चौधरी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ. एम पालमुरगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
पुणे	:	डॉ. (श्रीमती) जे ए कानितकर, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
		डॉ. विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
		डॉ. एस नंदगोपाल, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ. जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख 4

तकनीक का हस्तांतरण 5

घटनाक्रम 6

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप 9

कार्मिक समाचार 15

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम 15

वेबसाइटः https://www.drdo.gov.in/samachar

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें :

director.desidoc@gov.in

दूरभाष : 011- 23902403, 23902434

फैक्स : 011-23819151

पायलट रहित स्वचालित प्रौद्योगिकी प्रदर्शक विमान ने पहली सफल उड़ान भरी

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा अभिकल्पित एवं विकसित किए गए बिना पायलट के उड़ान भरने वाले स्वचालित प्रौद्योगिकी प्रदर्शक विमान का वैमानिकी परीक्षण परिसर, चित्रदुर्ग, कर्नाटक से 1 जुलाई 2022 को पहला सफल उड़ान परीक्षण किया गया। इस परीक्षण के दौरान विमान ने पूरी तरह स्वचालित मोड में संचालन करते हुए एक आदर्श उड़ान का प्रदर्शन किया जिसमें उड़ान भरना, वे पॉइंट नेविगेशन तथा सुरक्षित लैंडिंग शामिल थे। यह सफल उड़ान परीक्षण भविष्य में मानव रहित विमानों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की दृष्टि से एक प्रमुख उपलब्धि सिद्ध हुआ है तथा यह इस प्रकार की रणनीतिक रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस मानव रहित वायुयान को डीआरडीओ की प्रमुख अनुसंधान प्रयोगशाला वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई), बेंगलुरु द्वारा अभिकल्पित तथा विकसित किया गया है। यह एक छोटे टर्बो फैन इंजन द्वारा संचालित होता है। विमान के लिए उपयोग किए जाने वाले एयरफ्रेम, अंडर कैरिज तथा संपूर्ण उड़ान नियंत्रण एवं उड्डयानिकी प्रणालियां स्वदेश में विकसित की गई हैं।

इस अवसर पर डीआरडीओ को बधाई देते हुए रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह सफल परीक्षण मानव रहित स्वचालित विमानों को विकसित करने की दिशा में एक प्रमुख उपलब्धि है तथा इस सफल परीक्षण से महत्वपूर्ण सैन्य प्रणालियों को अभिकल्पित एवं विकसित करने के संदर्भ में 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना को साकार करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी ने इस प्रणाली के अभिकल्प, विकास एवं परीक्षण से जुड़ी टीमों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

बाधा प्रौद्योगिकी द्वारा फलों के परिरक्षण के संबंध में प्रौद्योगिकी अंतरण हेतु लाइसेंस करार

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर ने बाधा प्रौद्योगिकी द्वारा फलों के परिरक्षण के संबंध में केरल स्थित मैसर्स स्टारजैक प्राइवेट लिमिटेड के साथ प्रौद्योगिकी अंतरण हेतु लाइसेंस करार पर हस्ताक्षर किए। डॉ अनिल दत्त सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल तथा श्री थंकाचन युहन्नान, निदेशक, मेसर्स स्टारजैक प्राइवेट लिमिटेड, केरल द्वारा 3 जून 2022 को डीएफआरएल, मैसूर में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर प्रौद्योगिकी आविष्कारक डॉ ओम प्रकाश चौहान, प्रमुख, फल तथा सब्जी प्रौद्योगिकी प्रभाग, डॉ रुद्रगौड़ पुलिसगौद्रा, वैज्ञानिक 'ई' तथा उनकी टीम, डॉ आर कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', अपर निदेशक, डीएफआरएल एवं डॉ एम पाल मुरुगन, वैज्ञानिक 'ई', प्रमुख, प्रौद्योगिकी अंतरण तथा प्रदर्शन प्रभाग, डीएफआरएल उपस्थित थे। बाधा प्रौद्योगिकी एक नई तकनीक है जिसका उपयोग फलों के टुकड़ों तथा कटे हुए फलों के परिरक्षण के लिए किया जाता है। बाधा प्रौद्योगिकी द्वारा परिरक्षित फलों में ताजे फलों के समान स्वाद तथा आकर्षण बना रहता है। उत्पाद सूक्ष्म जीवाणु की दृष्टि से सुरक्षित रहता है तथा उसकी उच्च स्वीकार्यता बनी रहती है। इन फलों को खाए जाने के लिए तैयार करने तथा इनके प्रसंस्करण में ऊर्जा की खपत कम होती है।

दूध परीक्षण किट मार्क-II के संबंध में प्रौद्योगिकी अंतरण हेतु लाइसेंस करार

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर ने दूध की गुणवत्ता की जांच करने के लिए अद्वितीय, अपनी तरह का पहला, सरल एवं किफायती तथा दूध में कई प्रकार की मिलावट (बोरिक एसिड, डिटर्जेंट, हाइड्रोजन पेरोक्साइड, न्यूट्रलाइजर, साबुन, स्टार्च, यूरिया) एवं दूध की सूक्ष्मजीवाण्विक गुणवत्ता की जांच करने के लिए परीक्षण किट के विनिर्माण हेतु मैसर्स बीजापुरी डेयरी प्राइवेट लिमिटेड (कंट्री डिलाइट), गुड़गांव के साथ प्रौद्योगिकी अंतरण हेतु लाइसेंस करार पर हस्ताक्षर किए। डॉ अनिल दत्त सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल तथा सुश्री पूजा गुप्ता, महाप्रबंधक, गुणवत्ता आश्वासन, बीजापुरी डेयरी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 15 जून 2022 को डीएफआरएल, मैसूर में प्रौद्योगिकी अंतरण हेतु लाइसेंस करार पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर प्रौद्योगिकी आविष्कारक डॉ वी ए संजीव कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', प्रमुख, फ्रीज शुष्कन एवं जंतु उत्पाद प्रौद्योगिकी प्रभाग, डॉ आर शैलजा, वैज्ञानिक 'ई' तथा उनकी टीम, डॉ आर कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', अपर निदेशक, डीएफआरएल तथा डॉ एम पाल मुरुगन वैज्ञानिक 'ई', प्रमुख, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं प्रदर्शनी प्रभाग, डीएफआरएल उपस्थित थे। मैसर्स बीजापुरी डेयरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम डेयरी उत्पादों, फलों तथा वनस्पति खाद्य उत्पादों के क्षेत्र में उभर रहे सबसे बड़े उत्पादकों में शामिल है।

भारत में विशेषकर त्योहारों के मौसम के दौरान जब दूध की मांग अधिक होती है, इसमें हानिकारक रसायनों का मिलावट करने की कपटपूर्ण प्रथा बड़े पैमाने पर प्रचलन में है। डीएफआरएल ने दूध में ऐसी कपटपूर्ण मिलावट की पहचान करने के लिए एक दूध परीक्षण किट मार्क–I विकसित किया है तथा इसका वाणिज्यीकरण किया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन

कैब्स, बेंगलुरु

वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बेंगलुरु में 21 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2022 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित किए गए एक घंटे के योग सत्र का श्री के श्रीकुमार, वैज्ञानिक 'ई', कैब्स द्वारा संचालन किया। इस योग सत्र में प्रयोगशाला के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया।

सीएएस, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस), हैदराबाद में 21 जून 2022 को अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2022 का आयोजन किया गया। श्री बी वी पापा राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, सीएएस ने सीएएस के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर योग अनुदेशक द्वारा विभिन्न आसन कराए गए तथा उनके लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में निदेशक, सीएएस ने शरीर, मन एवं आत्मा के लिए योग के लाभों पर बल दिया तथा कर्मचारियों से योग को अपने जीवन में एक अनिवार्य आदत के रूप में शामिल करने के लिए कहा। आपने तनाव मुक्त रहने तथा शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में योग के महत्व पर भी बल दिया।

केस्डिक, बेंगलुरु

युद्धक वायुयान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (केस्डिक), बेंगलुरु द्वारा 21 जून 2022 को प्रयोगशाला परिसर में योग सत्र का आयोजन करके अपना आठवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर केंद्र प्रमुख, केस्डिक ने योग के महत्व तथा लाभों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित जनों को संबोधित किया एवं प्रतिभागियों से स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए योगाभ्यास को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आग्रह किया।

पेशेवर योग शिक्षिका सुश्री गायत्री देवी ने योग सत्र का संचालन किया। उन्होंने योग के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया तथा स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने के लिए योग को अपनाने की सलाह दी।

डीजीआरई, चंडीगढ़

रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई), चंडीगढ़ ने जून 2022 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आखिरी पांच दिनों के दौरान आयोजित किए गए समारोह के हिस्से के रूप में डीजीआरई, चंडीगढ़, आरडीसी, डीजीआरई मनाली, डीजीआरई एमएमसी ससोमा तथा डीजीआरई एमएमसी श्रीनगर में योग उत्सव मनाया। इस अवसर पर डॉ पी के सत्यावली, निदेशक, डीजीआरई ने योगाभ्यास किया तथा समारोह में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए आपने इस बात पर बल दिया कि योग का सार स्वयं की, स्वयं के माध्यम से, स्वयं की ओर की गई यात्रा है। डॉ आमोद कुमार, सह निदेशक, डीजीआरई ने डीजीआरई तथा संस्थान के अन्य सभी केंद्रों में वर्ष 2022 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए निर्धारित की गई थीम ''मानवता के लिए योग'' को ध्यान में रखते हुए 17–21 जून 2022 के दौरान आयोजित किए गए डीजीआरई योग उत्सव की अध्यक्षता की तथा अपने संबोधन में शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास तथा उत्थान के लिए योग की आवश्यकता पर बल दिया। योग उत्सव का आयोजन आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित योग प्रोटोकॉल के अनुसार किया गया था। उत्सव के दौरान, डीजीआरई समुदाय के सभी सदस्यों के साथ–साथ विभिन्न स्कूलों से आए बच्चों, पूर्व सैनिकों तथा युवा संन्यासियों ने भी समारोह में भाग लिया।

डीआरएल, तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर में 21 जून 2022 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह–2022 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ रमा दुबे, वैज्ञानिक 'एफ', स्थानापन्न निदेशक ने किया। इस अवसर पर दिए गए स्वागत भाषण में आपने हमारे दैनिक जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला तथा इसके पश्चात समारोह में उपस्थित योग प्रशिक्षकों का अभिनंदन किया। श्रीमती स्मिता व्यास, विवेकानन्द केन्द्र, तेजपुर ने योग सत्र का संचालन किया। कार्यक्रम में डीआरएल परिवार के सदस्यों ने पूरे उमंग एवं उत्साह के साथ भाग लिया।

आईटीआर, चांदीपुर

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर में आठवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2022 समारोह 21 जून 2022 को मनाया गया। श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर दिए गए अपने उद्घाटन भाषण में निदेशक, आईटीआर ने दैनिक जीवन में मानवता के लिए योग के महत्व एवं आवश्यकता पर प्रकाश डाला। गुरु गौरांग आचार्य ने 'योग तथा मानव शरीर एवं आत्मा पर इसके प्रभाव' विषय पर एक अत्यधिक सारगर्भित व्याख्यान दिया। आपने योगासनों का भी प्रदर्शन किया जिनका अभ्यास आईटीआर कर्मियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अनेक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि में स्वस्थ तथा सुखी जीवन के लिए योग के महत्व को उजागर करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके 21 जून 2022 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह–2022 मनाया। इस अवसर पर डॉ के अजित कुमार, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक, एनपीओएल ने कहा कि योग मानवता के कल्याण के लिए भारत द्वारा दिया गया महत्वपूर्ण योगदान है तथा हम सभी के लिए प्रतिदिन योगाभ्यास करना अत्यधिक उपयोगी है। यह हमारे जीवन में अनुशासन की एक मजबूत भावना लाता है। एर्नाकुलम स्थित पतंजलि योग प्रशिक्षण केंद्र के अध्यक्ष श्री जी बी दीनाचंद्रन ने हजारों साल पहले योग विज्ञान की उत्पत्ति के बारे में बताया। इस अवसर पर दिए गए व्याख्यान में आपने धर्मशास्त्रों से उद्धरणों का उल्लेख करते हुए मन और शरीर के बीच पूर्ण सामंजस्य स्थापित करने में योग के लाभों के बारे में बताया। समारोह को अविस्मरणीय बनाने के लिए इस अवसर पर एनपीओएल के कर्मचारियों द्वारा एक प्रदर्शनी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। समारोह में उपस्थित सभी व्यक्तियों ने श्री दीनाचंद्रन के नेतृत्व में आयोजित किए गए एक लघु योग सत्र में भी भाग लिया।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

आजादी के अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम द्वारा 21 जून 2022 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह–2022) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ सुरक्षा सहायक तथा प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक श्री ए विश्वेश्वर राव ने समारोह में उपस्थित जनों को योग तथा इससे होने वाले विभिन्न लाभों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। इसके साथ ही अनुभवी योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में योग अभ्यास, ध्यान तथा विभिन्न योगासनों का अभ्यास भी कराया गया। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया था। सुबह का सत्र एनएसटीएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों के साथ आयोजित किया गया था। डॉ वाई श्रीनिवास राव, निदेशक, एनएसटीएल ने एनएसटीएल के 50 अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर इस समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा सामान्य योग प्रोटोकॉल का पालन किया। इस अवसर पर रामकृष्ण मठ एवं रामकृष्ण मिशन से संन्यासी स्वामी महाराज बोधमयानंद द्वारा 'स्वस्थ राष्ट्र के लिए स्वस्थ मन' विषय पर एक व्याख्यान भी दिया गया। आपने एनएसटीएल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपना आशीर्वाद दिया तथा 'स्वस्थ राष्ट्र के लिए स्वस्थ मन' विषय पर दिए गए अपने ज्ञानवर्धक व्याख्यान के पश्चात समारोह के प्रतिभागियों के साथ बातचीत की एवं योग के विभिन्न शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक पहलुओं के बारे में एवं दैनिक जीवन में योग के महत्व के बारे में बताया।

सीएएस, हैदराबाद द्वारा वार्षिक दिवस समारोह का आयोजन

उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस), हैदराबाद ने 11 जून 2022 को अपना 8वां वार्षिक दिवस समारोह अत्यधिक उमंग एवं उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर डॉ जी सतीश रेड्डी, सचिव रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग एवं अध्यक्ष डीआरडीओ ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई। डॉ बी एच वी एस एन मूर्ति, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एमएसएस) समारोह के सम्मानित अतिथि थे। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रयोगशाला निदेशकों तथा सीएएस के पूर्व वैज्ञानिकों ने भाग लिया। समारोह के एक हिस्से के रूप में डॉ रेड्डी ने सीएएस के कर्मचारियों के लिए बनाए गए आवासीय क्वार्टरों का उद्घाटन किया। श्री बी वी पापा राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, सीएएस ने समारोह में उपस्थित विशिष्ट जनों का स्वागत किया तथा उन्हें सीएएस द्वारा चलाई जा रही अग्नि मिसाइल, आदि विभिन्न परियोजनाओं के संबंध में हुई प्रगति तथा प्रयोगशाला में उपलब्ध एकीकरण एवं परीक्षण सुविधाओं तथा प्रयोगशाला द्वारा प्राप्त की गई विभिन्न अन्य उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर श्री बी

वी राव, वैज्ञानिक 'जी' ने सीएएस की वार्षिक प्रबंधन सेवा रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ रेड्डी ने अपने संबोधन में सामरिक मिसाइल एकीकरण तथा परीक्षण एवं हाइपरसोनिक विंड टनल (एचडब्ल्यूटी) सुविधाओं पर सीएएस द्वारा की गई प्रगति की सराहना की। डॉ मूर्ति ने विभिन्न अग्नि मिसाइल परियोजनाओं में सीएएस द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों की भी सराहना की। दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने भविष्य में प्रयोगशाला के विस्तार के लिए राज्य के अधिकारियों से अतिरिक्त 1000 एकड़ भूमि प्रदान करने के लिए आग्रह किया। मुख्य अतिथि ने प्रयोगशाला के मेधावी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डीआरडीओ प्रयोगशाला स्तरीय पुरस्कार तथा नकद पुरस्कार प्रदान किए एवं पुरस्कार विजेताओं द्वारा अपने क्षेत्रों में की जा रही कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। इस अवसर पर डीआरडीओ में 20/25/30 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, डीआरडीओ के अध्यक्ष ने मिसाइल परिसर के आठ प्रख्यात वैज्ञानिकों को उनके द्वारा किए जा रहे योगदान के लिए सम्मान एवं आभार प्रकट करते हुए उनका अभिनंदन किया। इसके साथ ही, स्थापना दिवस के आयोजन से एक दिन पहले आयोजित किए गए विभिन्न खेल कूद कार्यक्रमों के विजेताओं को निदेशक, सीएएस द्वारा पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ हुआ। श्री संदीप चट्टोपाध्याय, वैज्ञानिक 'जी' ने सीएएस में स्थापित हाइपरसोनिक विंड टनल (एचडब्ल्यूटी) सुविधा की मुख्य विशेषताओं के बारे में बताया तथा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

विश्व पर्यावरण दिवस–2022 के लिए निर्धारित थीम 'केवल एक पृथ्वी: देखभाल और संरक्षण' को ध्यान में रखते हुए विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर ने नारियल के पौधे लगाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के फलदार वृक्षों के 50 से अधिक पौधे लगाए गए। आईटीआर की टीम पर्यावरण सुरक्षा तथा साफ सफाई के लिए हमेशा सक्रिय रहती है। स्वच्छ तथा स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए आईटीआर द्वारा हमेशा पहल की जाती रही है।

आईलैंड कॉम्प्लेक्स, एलसी–IV, धामरा में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम का संचालन डॉ एस के साहू, वैज्ञानिक 'एफ', जीडी (एफआई एंड ईएस) तथा आपकी टीम द्वारा किया गया।

ई-संसाधन तथा ई-पुस्तकालय विषय पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली द्वारा 19 जुलाई 2022 को 'डीआरडीओ ई–पुस्तकालय का उपयोग करके ई–संसाधनों का अधिकतम प्रयोग करना तथा उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र तैयार करना' विषय पर एक अल्पावधिक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य डीआरडीओ के वैज्ञानिक समुदाय के लिए डेसीडॉक द्वारा उपलब्ध कराए गए ई–संसाधनों के बारे में जागरूकता सृजित करना तथा यह बताना था कि डीआरडीओ के वैज्ञानिक किस प्रकार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अच्छी गुणवत्ता के शोध पत्र लिख सकते हैं ।

इस प्रशिक्षण सत्र में डेसीडॉक, अग्नि विस्फोटक तथा पर्यावरण सुरक्षा केंद्र (सीफिस), वैमानिकी अनुसंधान तथा विकास बोर्ड, जैव विज्ञान अनुसंधान बोर्ड, नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी), पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईस्सा) तथा महानिदेशालय–माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कंप्यूटेशनल सिस्टम एवं साइबर सिस्टम से 58 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा पुस्तकालय कर्मियों ने भाग लिया।

कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेप्टम) के अध्यक्ष श्री आर अप्पावुराज इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर दिए गए अपने मुख्य भाषण में आपने समस्याओं के समाधान हेतु गहन चिंतन करने पर बल दिया तथा बताया कि अधिकाधिक पुस्तकों का चयन तथा उनका पाठन किस प्रकार किया जाए। डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने अपने संबोधन में डीआरडीओ के वैज्ञानिक समुदाय से डेसीडॉक द्वारा उपलब्ध कराए गए ई–संसाधनों एवं सेवाओं का अधिकाधिक प्रयोग करने का अनुरोध किया।

श्रीमती कविता नरवाल, वैज्ञानिक 'ई' ने डीआरडीओ के वैज्ञानिक समुदाय के लिए डेसीडॉक द्वारा उपलब्ध कराए गए ई–संसाधन, इसके इतिहास तथा कोई प्रयोगशाला किस प्रकार एक कंसोर्टियम का हिस्सा बन सकती है, विषय पर एक प्रस्तुति दी। मैसर्स रेफरीड से इस प्रशिक्षण सत्र में शामिल हुए श्री मोहित ने डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा उपलब्ध कराए गए ई–संसाधनों के उपयोग को अधिकतम करने के लिए डीआरडीओ ई–पुस्तकालय प्लेटफॉर्म के लाइव डेमो को कवर किया।

श्री योगेश मोदी, वैज्ञानिक 'ई' तथा श्रीमती दीप्ति अरोड़ा, तकनीकी अधिकारी 'बी' ने डेसीडॉक द्वारा प्रकाशित किए जा रहे विभिन्न प्रकाशनों, उनकी स्थिति तथा लेखक कैसे अपनी पांडुलिपि/सामग्री जमा कर सकते हैं, के बारे में बात की। मैसर्स एल्सेवियर की डॉ विनीता सरोहा ने 'स्कोपस, साइंस डायरेक्ट तथा मेंडेली का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्रों को कैसे प्रकाशित करें' के बारे में बात की।

परीक्षण तथा मूल्यांकन के लक्ष्यों के संबंध में भविष्य के रुझान पर पाठ्यक्रम

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर में 'परीक्षण तथा मूल्यांकन के लक्ष्यों के संबंध में भविष्य के रुझान पर पाठ्यक्रम' विषय पर 12–14 जुलाई 2022 के दौरान एक सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) का आयोजन किया गया। श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर ने इस पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण के दौरान आपने आईटीआर में परीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों को निर्धारित करने के महत्व तथा उनके भावी रुझान के संबंध में विशेष रूप से चर्चा की। यह पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को आईटीआर द्वारा प्रयोग में लाए जाने के लिए वर्तमान में निर्धारित किए गए विभिन्न लक्ष्यों तथा साथ ही भावी अनुप्रयोगों हेतु आवश्यक विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों से परिचित कराने की दृष्टि से आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम में 'सामरिक बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण तथा मूल्यांकन के लिए निर्धारित किए जाने वाले लक्ष्यों के संबंध

में वर्तमान तथा भविष्य की आवश्यकताएं', 'हवाई लक्ष्यों के लिए उड़ान प्रोफ़ाइल तथा उड़ान संविन्यास योजना', 'स्वदेशी भू संस्थित निष्क्रिय लक्ष्यों का प्रदर्शन मूल्यांकन', 'भू संस्थित निष्क्रिय रेडियो आवृत्ति लक्ष्यों का अभिकल्पन तथा विकास', 'विस्तारणीय हवाई लक्ष्यों का अभिकल्पन तथा विकास', 'स्वदेशी सुपरसोनिक विस्तारणीय हवाई लक्ष्यों का अभिकल्पन तथा विकास', 'मिस डिस्टेंस इंडिकेशन', 'एस बैंड सक्रिय सतह लक्ष्यों का अभिकल्पन तथा विकास' आदि जैसे विभिन्न विषय कवर किए गए थे। पाठ्यक्रम का आयोजन श्री एम के पाल, वैज्ञानिक 'एफ' तथा उनकी टीम द्वारा किया गया था।

जीटीआरई, बेंगलुरु में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा वित्त वर्ष 2022–23 के संबंध में जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम के अनुपालन में गैस टरबाइन अनुसंधान संस्थान (जीटीआरई) बेंगलुरु ने प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के लिए 27 जून 2022 को अपनी पहली हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। अंतरिक्ष विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक श्री अशोक कुमार बिलुरे को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने 'राजभाषा कार्यान्वयन में कुशल प्रबंधन' विषय पर अपना व्याख्यान दिया तथा अपने विशद अनुभव एवं ज्ञान को सभी प्रतिभागियों के साथ साझा किया। श्री एम जेड सिद्दीकी, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, जीटीआरई ने अपनी उपस्थिति से प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया तथा सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में प्राप्त जानकारी का उपयोग अपने संबंधित समूहों में हिंदी को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर श्री सुरेश कांत द्वारा लिखित अभिप्रेरणात्मक पुस्तक 'कुशल प्रबंधन के सूत्र' की प्रति सभी प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम सामग्री के रूप में वितरित की गई। डॉ राजीव जैन, वैज्ञानिक 'जी', तकनीकी निदेशक, हिंदी अनुभाग के मार्गदर्शन तथा नेतृत्व में एवं श्री हेम कपिल, वैज्ञानिक 'एफ' तथा उपाध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओएलआईसी) के समन्वयन में कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

आईटीआर, चांदीपुर में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर में डीआरटीसी संवर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा प्रशासन व संबद्ध संवर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 29–30 जून 2022 के दौरान हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर ने इस कार्यशाला का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में आपने राजभाषा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सरकारी कामकाज में इसके उपयोग पर बल दिया। आपने बताया कि राजभाषा हिंदी की प्रगति अच्छी तरह से हो रही है तथा हमें इसका हिस्सा बनना चाहिए। कार्यशाला के प्रतिभागियों को राजभाषा हिंदी के प्रयोग में आने वाली कठिनाइयों को पूर्णतः समाप्त करना तथा झिझक को दूर करना सिखाया गया। उन्हें संघ की राजभाषा नीति के बारे में भी बताया गया।

कार्यशाला में व्याख्यान श्री लोकनाथ तिवारी, प्रबंधक (राजभाषा), करेंसी नोट प्रेस, नासिक, प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पीएक्सई) से सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री एस के रॉय तथा श्री दिबाकर जेना, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी द्वारा दिए गए। कार्यशाला में लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन श्री पी एन पांडा, वैज्ञानिक 'एफ', सह समूह निदेशक (मानव संसाधन) तथा आपकी टीम द्वारा किया गया।

रक्षा उपकरणों के विकास हेतु मानव घटक के एकीकरण विषय पर कार्यशाला का आयोजन

गुणवत्ता विश्वसनीयता एवं सुरक्षा निदेशालय (डीक्यूआर एंड एस) तथा रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर) के सहयोग से रक्षा शरीरक्रिया तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली द्वारा 29 जून 2022 को 'रक्षा उपकरणों के विकास हेतु मानव घटक के एकीकरण' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान रक्षा उपकरणों के विकास हेतु मानव घटक एकीकरण (एचएफआई) के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय स्थिति तथा डीआरडीओ द्वारा विकसित उत्पादों में एचएफआई के संबंध में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर विचार–विमर्श किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन डॉ राजीव वार्ष्णेय, निदेशक, डिपास, रियर एडमिरल रंजीत सिंह, निदेशक, डीक्यूआर एंड एस तथा डॉ के रामचंद्रन, निदेशक, डीआईपीआर की

उपस्थिति में किया गया। इस कार्यशाला में डीआरडीओ की विभिन्न समूहों की प्रयोगशालाओं से 16 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

डीएलआरएल, हैदराबाद में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी वार्ता का आयोजन

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंच, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद में 28 जून 2022 को जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद के पूर्व रजिस्ट्रार एवं जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अनंतपुर के पूर्व उप कुलपति प्रो (डॉ) के लाल किशोर तथा लेफ्टिनेंट कर्नल करुण मोदी, एस एस ओ, डीएलआरएल के बीच एक तकनीकी वार्ता का आयोजन किया गया।

वार्ता के आरंभ में समारोह की अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी, वैज्ञानिक 'एफ' ने विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंच द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। अतिथि वक्ता प्रो (डॉ) के लाल किशोर ने 'सम्मिश्र सामग्री तथा नैनो प्रौद्योगिकी पर आधारित नए उपकरण' विषय पर बात की। आपने बताया कि सम्मिश्र सामग्री तथा नैनो प्रौद्योगिकी पर आधारित नए उपकरण कौन से हैं तथा रक्षा प्रौद्योगिकियों में उनका उपयोग कैसे किया जा सकता है।

लेफ्टिनेंट कर्नल करुण मोदी ने 'डीएलआरएल में पालन किए जाने वाले सुरक्षा प्रोटोकॉल' विषय पर बात की। आपने सोशल नेटवर्किंग साइटों द्वारा सुरक्षा खतरों से संबंधित महत्तवपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला तथा उनके सुरक्षा उपायों के बारे में बताया। आपने बताया कि वर्तमान समय में किस प्रकार सोशल नेटवर्किंग साइट की मौजूदगी हर जगह है जो सूचना सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। आपने सोशल इंजीनियरिंग तथा सोशल नेटवर्क साइट्स की विभिन्न कमियों के बारे में बताया। आपने बताया कि देश की सुरक्षा के लिए काम करने वाला व्यक्ति क्या होता है तथा ऐसे व्यक्तियों, उनके आश्रितों की क्या जिम्मेदारियां हैं तथा सोशल इंजीनियरिंग एवं सोशल नेटवर्किंग साइट्स से संबंधित सुरक्षा उपायों के लिए 'क्या करें' तथा 'क्या न करें' पर प्रकाश डाला ।

वार्ता के पश्चात एक प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया गया तथा कार्यक्रम का समापन सदस्य सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंच द्वारा प्रस्तुत किए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

अभिलेख प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पीएक्सई), चांदीपुर में पूर्वी क्षेत्र के लिए 'अभिलेख प्रबंधन' विषय पर 27–28 जून 2022 के दौरान दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को संसदीय कार्य, राजभाषा तथा संगठन एवं पद्धति निदेशालय (डीपीएआरओ एंड एम), डीआरडीओ मुख्यालय एवं पीएक्सई, चांदीपुर द्वारा तैयार किया गया था एवं आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन श्री डी के जोशी, निदेशक, पीएक्सई द्वारा श्रीमती आशा त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'जी', डीपीएआरओ एंड एम, डीआरडीओ मुख्यालय एवं पाठ्यक्रम निदेशक तथा डॉ पी के दास गुप्ता, वैज्ञानिक 'जी', पी एक्स ई, श्री अंजन

साहा, वैज्ञानिक 'ई' एवं पाठ्यक्रम समन्वयक की उपस्थिति में किया गया। श्रीमती आशा त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'जी' ने 'डीआरडीओ में अपनाए जा रहे संगठन तथा पद्धति से संबंधित व्यवस्था के बारे में एक संक्षिप्त विवरण' विषय पर एक परिचयात्मक भाषण दिया तथा उसके पश्चात अभिलेख प्रबंधन के महत्व तथा इसके दिशानिर्देश एवं इससे संबंधित नियम पुस्तक के संबंध में एक प्रस्तुति दी। संसदीय कार्य, राजभाषा तथा संगठन एवं पद्धति निदेशालय (डीपीएआरओ एंड एम), डीआरडीओ मुख्यालय से वक्ता श्री सी पी मीणा, वैज्ञानिक 'ई', श्री मनोज के शाक्य, तकनीकी अधिकारी 'सी' तथा श्रीमती चंदा आनंद, एओ ने अभिलेख प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं अर्थात अभिलेख प्रतिधारण अनुसूची तथा अभिलेख प्रबंधन नीति–2021 वर्गीकृत अभिलेखों का प्रबंधन, अभिलेखों का संरक्षण, सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की कार्य कुशलता में वृदधि करने के लिए सरकार द्वारा की गई पहल, केंद्रीय सचिवालय कार्यालय प्रक्रिया की नियम पुस्तिका की प्रस्तावना तथा अभिलेख कक्ष का विन्यास एवं स्थापना विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया ।

समुद्री परिवेश में अनुप्रयोग के लिए रबर तथा सम्मिश्र पदार्थों से संबंधित प्रौद्योगिकी विषय पर पाठ्यक्रम का आयोजन

नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि में 13–17 जून 2022 के दौरान 'समुद्री परिवेश में अनुप्रयोग के लिए रबर तथा सम्मिश्र पदार्थों से संबंधित प्रौद्योगिकी' विषय पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को आयोजित करने का उद्देश्य रबर एवं सम्मिश्र पदार्थों के समुद्री परिवेश में अनुप्रयोग पर विशेष बल देते हुए इन पदार्थों को विकसित किए जाने के संबंध में बुनियादी बातों के साथ–साथ अग्रणी अनुसंधान परिणामों को प्रस्तुत करने के लिए डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिकों तथा आकादनिक जगत एवं उद्योग जगत से विशेषज्ञों को एक मंच पर लाना था। डॉ के अजित कुमार, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक, एनपीओएल ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। पाठ्यक्रम का मुख्य भाषण एनएमआरएल के पूर्व निदेशक डॉ एम पत्री तथा डीआरडीओ के विशिष्ट अध्येता डॉ राजा रमन्ना द्वारा 'नौसेना अनुप्रयोगों के लिए रबर तथा सम्मिश्र पदार्थों की भूमिका' विषय पर दिया गया, जिसके पश्चात एनएसटीएल

से डॉ गणेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक द्वारा 'नौसेना प्रणालियों में कंपन पृथक्करण' विषय पर एक पूर्ण व्याख्यान दिया गया। भारतीय नौसेना के तीन अधिकारियों सहित डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं से इस पाठ्यक्रम में कुल 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस पाठ्यक्रम के आयोजन से सभी प्रतिभागियों को समुद्री परिवेश में अनुप्रयोग के लिए रबर तथा सम्मिश्र पदार्थों के उपयोग से संबंधित अवधारणाओं एवं मुद्दों को साझा करने, तलाशने तथा चर्चा करने के लिए एक इंटरैक्टिव मंच प्राप्त हुआ। पाठ्यक्रम में विषय को व्यापक रूप से शामिल किया गया था तथा इस पाठ्यक्रम से प्रतिभागियों को अंतर्जलीय अनुप्रयोगों के लिए रबर तथा बहुलक सम्मिश्र पदार्थों से निर्मित किए गए उत्पादों के चयन एवं प्रभावी उपयोग के संबंध में एक अच्छी जानकारी प्राप्त हुई। डॉ पी अन्नादुरई, वैज्ञानिक 'एफ' पाठ्यक्रम निदेशक थे।

अंतर्जलीय वाहनों के लिए नियंत्रण तथा मार्गदर्शन विषय पर पाठ्यक्रम

आजादी के अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में, नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने 30 मई से 3 जून 2022 के दौरान 'अंतर्जलीय वाहनों के लिए नियंत्रण तथा मार्गदर्शन' विषय पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम को आयोजित करने का उद्देश्य अंतर्जलीय वाहनों के नियंत्रण तथा मार्गदर्शन तकनीकों में उन्नत रुझान को ध्यान में रखते हुए प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन करना तथा उनके अभिकल्पन कौशल को संवर्धन प्रदान करना, नियंत्रण अभिकल्पन विषय के संबंध में प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान करने के लिए प्रयोगशाला सत्रों का आयोजन करना, विषय

से संबंधित प्रमुख व्याख्यानों का प्रस्तुतिकरण तथा अनुप्रयोग एवं विशेष मामला अध्ययन से प्राप्त हुए परिणामों से प्रतिभागियों को अवगत कराना था। पाठ्यक्रम में डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं तथा नौसेना मुख्यालयों से कुल 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम में व्यापक रूप से अंतर्जलीय वाहनों के नियंत्रण तथा मार्गदर्शन से संबंधित कार्यनीति, अंतरिक्ष परिवहन प्रणालियां, अंतर्जलीय वाहनों के लिए गति योजना, द्रव गतिकी तथा स्वचालित अंतर्जलीय वाहन, जड़त्वीय नेविगेशन प्रणाली तथा गति प्रवर्तक, बुद्धिमत्तापूर्ण अनुकूली नियंत्रण, अनुमान तथा मार्गदर्शन, मिसाइल प्रौद्योगिकी में प्रगति तथा ऑटोपायलट अभिकल्प, उड़ान नियंत्रण अभिकल्प तथा जांच से संबंधित चुनौतियां, मोटर द्वारा चालित वाहन में स्वचालित ड्राइविंग के एल्गोरिद्म तथा नियंत्रण अनुप्रयोगों पर व्यावहारिक सत्र को शामिल किया गया था। इस पाठ्यक्रम में अकादमिक संस्थाओं (भारतीय विज्ञान संस्थान–बैंगलोर, आईआईटी–मुंबई),

डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं (केयर, डीआरडीएल, एनएसटीएल, तथा आरसीआई), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) तथा उद्योग जगत के जाने माने एवं अनुभवी वक्ताओं द्वारा व्याख्यान दिए गए। श्री पी वी वी राम मोहन राव, वैज्ञानिक 'एफ' पाठ्यक्रम निदेशक तथा श्री बोनी रमेश बाबू, वैज्ञानिक 'ई' पाठ्यक्रम संयोजक थे।

पाठ्यक्रम का संचालन डॉ वाई श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एनएसटीएल, एवं श्री बी वी एस एस कृष्ण कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा सह निदेशक, एनएसटीएल, विशाखापत्तनम के मार्गदर्शन में किया गया।

गुणवत्ता तथा विश्वसनीयता अभियांत्रिकी विषय पर पाठ्यक्रम

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में 4–8 जुलाई 2022 के दौरान 'गुणवत्ता तथा विश्वसनीयता अभियांत्रिकी' विषय पर एक पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। पाठ्यक्रम के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित सर्वाधिक सम्मानित अतिथि श्री पी वी एस गणेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने कहा कि गुणवत्ता तथा विश्वसनीयता किसी भी परियोजना के आवश्यक तत्व हैं तथा इसे ध्यान में रखते हुए वर्तमान समय में एनएसटीएल समुदाय के सभी सदस्य गुणवत्ता तथा विश्वसनीयता के समस्त पहलुओं के संबंध में बहुत अधिक जागरूक हैं। पाठ्यक्रम के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ एस वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एनएस एंड एम) ने अपने संबोधन में इस बात पर बल दिया कि डीआरडीओ सशस्त्र सेनाओं के लिए विश्वसनीय उत्पादों का उत्पादन करने के लिए किसी भी उत्पाद के अभिकल्पन से लेकर विकास तक के सभी चरणों में गुणवत्ता तथा विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। आपने यह भी कहा कि डीआरडीओ किसी भी उत्पाद की उपयोगिता की समय अवधि के हर चरण में ज्ञात गुण दोष को दर्ज करना अनिवार्य बनाकर उच्च गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता के प्रति जागरूक संगठन बन गया है। इस अवसर पर, डॉ कामत ने ब्यूरो वेरिटास द्वारा नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल) को दिए गए 'आईएसओ: 9001:2015 प्रमाणपत्र' का विमोचन किया तथा उसे श्री पी वी एस गणेश कुमार तथा उनके साथ उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों को सौंपा। इस अवसर पर रियर एडमिरल रंजीत सिंह, निदेशक, डीक्यूआरएस, डीआरडीओ मुख्यालय, नई दिल्ली तथा श्री सी वी एस साई प्रसाद, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक क्यूआरएस, महानिदेशक (मिसाइल तथा सामरिक प्रणाली), हैदराबाद द्वारा मुख्य भाषण दिया गया।

कमाण्डर डी चंद्रशेखर, प्रौद्योगिकी निदेशक (क्यूआरएस) तथा पाठ्यक्रम निदेशक एवं श्री टी वेणुगोपाल राव, वैज्ञानिक 'ई', तथा उप पाठ्यक्रम निदेशक ने सभी समिति सदस्यों के साथ मिलकर इस पाठ्यक्रम का आयोजन किया। उद्घाटन कार्यक्रम में सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, एनएसटीएल सिविल कर्मचारी संघ तथा वर्क्स कमेटी के सदस्यों एवं एनएसटीएल के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया।

उच्च योग्यता अर्जन

एएसएल, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद के श्री गौरी शंकर वुरिति, वैज्ञानिक 'एफ' को उनके द्वारा 'स्ट्रक्चरल इंटीग्रिटी असेसमेंट ऑफ मैरेजिंग स्टील 250 प्रेशर वेसल वेल्ड जॉइंट्स थ्रू अकॉस्टिक स्टडीज' विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद, झारखंड द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।

केस्डिक, बेंगलुरु

युद्धक वायुयान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (केस्डिक), बेंगलुरु की श्रीमती जोसेफिन निर्मला, तकनीकी अधिकारी 'बी' को उनके द्वारा 'कर्नाटक में डीआरडीओ वैज्ञानिकों का सूचना खोजी आचरणः एक अध्ययन' विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध के लिए भरथियार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

अंतरराष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र अनुसंधान पुरस्कार–2022

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ के डॉ जी गुणशेखरन, वैज्ञानिक 'एफ' तथा डॉ गणेश एस ढोले, वैज्ञानिक 'डी', को समुद्री अनुप्रयोग हेतु संक्षारण का पता लगाने के उद्देश्य से प्रतिदीप्ति–आधारित एक एपॉक्सी कोटिंग विकसित करने के लिए अपनी प्रतिभा, प्रयास तथा कार्य निष्पादन को समर्पित करते हुए कोटिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय तथा उत्कृष्ट योगदान करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ लेख अनुसंधान पुरस्कार–2022 प्रदान किया गया है।

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में आगंतुकों के दौरे

डीआईपीआर, दिल्ली

लेफ्टिनेंट जनरल एन एस सरना, एस एम, वी एस एम (महानिदेशक भर्ती) ने 7 जुलाई 2022 को रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली का दौरा किया। लेफ्टिनेंट जनरल एन एस सरना पहली बार इस प्रयोगशाला के दौरे पर आए थे एवं डॉ के रामचंद्रन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डीआईपीआर ने प्रयोगशाला के दौरे पर आए सम्मानित अतिथि को प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे अनुसधान क्रियाकलापों तथा इसे सौंपे गए विभिन्न कार्यों की जानकारी दी।

प्रयोगशाला के दौरे पर आए अतिथि ने अधिकारियों के चयन के लिए संज्ञानात्मक बैटरी (सीबीओएस) का अवलोकन किया तथा सामरिक व्यवहार विश्लेषण प्रयोगशाला को देखा। आपने डीआईपीआर द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में डीआईपीआर से और अधिक सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

निदेशक, डीआईपीआर तथा अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ लेफ्टिनेंट जनरल एन एस सरना

डीजीआरई, चंडीगढ़

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने जून 2022 में लाहौल घाटी, हिमाचल प्रदेश का दौरा किया। माननीय राष्ट्रपति अपने सरकारी दौरे पर थे और इस

आरडीसी मनाली में डॉ पी के सत्यावली, निदेशक, डीजीआरई एवं डॉ पी के मेहता, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एसीई), पुणे भारत के माननीय राष्ट्रपति के साथ

दौरान आपने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अटल सुरंग का दौरा किया जिसमें रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई), चंडीगढ़ ने मनाली से लद्दाख एक्सिस के लिए हर मौसम में संपर्क प्रदान करने में अपना योगदान किया है। डीजीआरई में 11 जून 2022 को डॉ पी के मेहता, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एसीई), पुणे तथा डॉ पी के सत्यावली, निदेशक, डीजीआरई द्वारा राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। माननीय राष्ट्रपति के साथ हिमाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर, माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर तथा कैबिनेट मंत्री श्री राम लाल मारकंडा एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस दौरे पर डीजीआरई में पधारे थे।

डीआरएल, तेजपुर

मुख्यालय पूर्वी कमान के ब्रिगेडियर अजय कुमार, ब्रिगेडियर आर वी एस ने 1 जुलाई 2022 को रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ देवव्रत काम्बोज, निदेशक, डीआरएल ने प्रयोगशाला में पधारे अतिथि को मुख्य रूप से उत्तर–पूर्वी भारत के सुदूर सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात सैनिकों की सैन्य अभियानों को अंजाम देने की दक्षता में वृद्धि करने के लिए डीआरएल द्वारा किए जा रहे विभिन्न अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों के बारे में संक्षेप में अवगत कराया। ब्रिगेडियर अजय कुमार ने पूर्वोत्तर भारत के सीमावर्ती तथा अग्रिम चौकियों में तैनात सैनिकों के कल्याण के लिए प्रयोगशाला द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की तथा सशस्त्र बलों में सेवारत पशुओं के लाभ के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यों को करने में अपनी रुचि व्यक्त की।

डीआरएल क्रियाकलापों में गहरी रूचि दर्शाते हुए मुख्यालय पूर्वी कमान के ब्रिगेडियर अजय कुमार तथा ब्रिगेडियर आर वी एस

एनएमआरएल, अंबरनाथ

डॉ जी सतीश रेड्डी, सचिव रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग एवं अध्यक्ष डीआरडीओ ने नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ द्वारा 'भारतीय नौसेना की पनडुब्बियों के लिए ईंधन सेल आधारित वायु स्वतंत्र नोदन (एआईपी) प्रणाली' के संबंध में किए जा रहे कार्य के साथ ही इस प्रयोगशाला द्वारा चलाई जा रही अन्य विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए 10 जून 2022 को एनएमआरएल का दौरा किया। इस निरीक्षण

डॉ जी सतीश रेड्डी, सचिव, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ को पनडुब्बी का मॉडल भेंट करते हुए श्री पी टी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एनएमआरएल एवं डॉ एस वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एनएस एंड एम)

दौरे के अवसर पर आपके साथ डॉ एस वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एनएस एंड एम) भी एनएमआरएल में पधारे। इस अवसर पर श्री पी टी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एनएमआरएल ने रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष एवं डॉ एस वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एनएस एंड एम) का स्वागत किया। संबंधित परियोजना टीमों द्वारा वायु स्वतंत्र नोदन प्रणाली से संबंधित परियोजना तथा प्रयोगशाला द्वारा चलाई जा रही अन्य विभिन्न परियोजनाओं के संबंध में एक संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात, डॉ जी सतीश रेड्डी, सचिव रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग एवं अध्यक्ष डीआरडीओ ने एनएमआरएल में एलबीपी एक्सटेंशन शेल्टर का उद्घाटन किया। निरीक्षण कार्यक्रम का समापन निदेशक, एनएमआरएल के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एनएस एंड एम) द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के अध्यक्ष को वायु स्वतंत्र नोदन प्रणाली से युक्त पनडुब्बी का एक मॉडल भेंट किया गया।